

प्रेषक,

एम०एच०खान

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

- 1- प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,  
देहरादून।
- 2- मुख्य महाप्रबन्धक  
उत्तराखण्ड जल संस्थान  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 29 अप्रैल, 2010

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 में आयोजनेत्तर मद में उत्तराखण्ड पेयजल एवं उत्तराखण्ड जल संस्थान के विद्युत देयको के भुगतान हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान के पत्र संख्या 5773/वि०अनु०/०६/विद्युत/2009-10 दिनांक 20.03.2010 तथा प्रबन्ध निदेशक उत्तराखण्ड पेयजल निगम के पत्र संख्या 670/नियोजन अनुभाग/धनांवटन प्रस्ताव/34 दिनांक 29.03.2010 एवं शासनादेश संख्या 402/उन्तीस (2)/10-2(02पे०)/2001 दिनांक 29 मार्च 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड पेयजल निगम एवं उत्तराखण्ड जल संस्थान की पेयजल उत्पादन से सम्बन्धित विद्युत देयको के उत्तराखण्ड पावर कार्पोरेशन को भुगतान हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में रु० 1682.54 लाख (रु० सोलह करोड़ बयासी लाख चौवन हजार मात्र) की धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान के निर्वतन तथा रु० 314.29 लाख (रु० तीन करोड़ चौदह लाख उन्तीस हजार मात्र) की धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम के निर्वतन पर अर्थात् कुल रु० 1996.83 लाख (रु० उन्तीस करोड़ छियानबे लाख तिरासी हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपरोक्त मुख्य महाप्रबन्धक उत्तराखण्ड जल संस्थान के निर्वतन पर रखी गयी धनराशि रु० 1682.54 लाख मुख्य महाप्रबन्धक जल संस्थान के हस्ताक्षर एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम के निर्वतन पर रखी गयी धनराशि रु० 314.29 लाख प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध करायी जायेगी।

3. स्वीकृत धनराशि को तत्काल उत्तराखण्ड पावर कार्पोरेशन को उपलब्ध कराते हुए यह सुनिश्चित किया जाय कि विद्युत देयको का मिलान एवं संयुक्त हस्ताक्षर दिनांक 31.06.2010 तक करा लिया जाय। तत्पश्चात शासन को भी मिलान एवं संयुक्त सहमति की सूचना तत्काल भेज दी जाय। यदि कोई धनराशि अधिक भुगतान हो तब उसका समायोजन ठीक अगले माह के देयको से माह दर माह के आधार पर समायोजित किया जाय।



4. आहलूवालिया सहमति की संस्तुतियों के क्रम में किये गये त्रिपक्षीय अनुबन्ध के आधार पर राज्य सरकार द्वारा केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के पुराने विद्युत देयको के सापेक्ष जारी किये गये बाण्ड के विरुद्ध अब तक प्राप्त प्रोत्साहन की धनराशि उत्तराखण्ड पावर कार्पोरेशन द्वारा तत्काल राहतकोष में जमा की जायेगी।

5- उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2000-11 में अनुदान सं0-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलापूर्ति-आयोजनेत्तर-101- शहरी जलापूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-04-अवशेष विद्युत देयको का उत्तराखण्ड विद्युत निगम-भुगतान-20-सहायक अनुदान/ अंशदान/ राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0-34 /XXVII(2)/2009 दिनांक अप्रैल 24, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम0एच0खान)

सचिव

पू0सं0-512(i)/उन्तीस(2)/09-2(02पे0)/2001तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल।
3. जिलाधिकारी, देहरादून एवं सम्बन्धित जनपद।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पावर कार्पोरेशन को इस आशय से प्रेषित कि वे कृपया शासनादेश में उल्लिखित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए एवं रिकन्साईल्ड बिलों का भुगतान भी अविलम्ब दिनांक 31.03.10 तक प्राप्त करने का कष्ट करें।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सैल)/राज्य योजना आयोग उत्तराखण्ड।
7. निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
8. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
10. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमित सिंह नेगी)

अपर सचिव